

प्राप्ति

जनसत्तान्य  
मुख्य सचिव  
राजस्थान राज्य  
सभा ।

मुख्य सचिव,  
विकास खालील एवं परिचार कामबक्ष  
मंत्रालय, राजस्थान ।

विभिन्न अनुग्रह -5

दस्तावृत: दिनांक: ७ अक्टूबर, 2005

**विषय:** राज्य ने जनसत्तान्य एवं विशेषज्ञ सेवाये उपलब्ध कराने हेतु भागीदारों के समिति के आधार पर विकित्सकों की तैनाती हेतु वर्ष 2005-06 में धनराशि की रप्रीयता के संबंध में।

जनसत्तान्य विषयक आपके पत्र रा-८८/नियो०/३४/२००३/२००५/१२५१३  
मियो० १०.०६.२००५ के अन्तर्में मैं गुजरात कर्म कानून का नियोग दुआ कि श्री राज्यपाल  
महाराज भवतीय वर्ष 2005-06 में राज्य ने जनसत्तान्य को विशेषज्ञ सेवाये  
के लिये कराने के अनुकूल दाता एवं संघर्ष के आधार पर विकित्सकों की तैनाती पर  
प्रभागीय रूप से ५०,०००.०० (पाँच हालांकार कर) की दर से भुगतान हेतु कुल रु०  
५००,०००.०० (पाँच हालांकार कर) की धनराशि के व्यय वर्गी राहर्ष स्वीकृति प्रदान  
किया ।

२- अप्र० १४३ वाले विषय का वर्ष २००५-०६ के लाय-व्यवका ने अनुदान संख्या-१२  
का विवरणका -२२१०-विवित तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-०३ ग्रामीण  
एवं राजनीतिक विकास विकास व्यवस्था-११०-अस्पताल तथा औषधालय  
तिए जनसत्तान्य के लालै भालै जारीगत ।

३- वा० लालै विल्ल विनाय के उसा० रा०-९०-९७५(१) / विल्ल अनुभाग-२/२००४  
विना० ०७.१०.२००५ में प्राप्त जहाजि से उसे छिपे जा रहे हैं ।

भवदीय,

( अतर सिंह )  
उप सचिव

~~873~~

80-716/383/R/6 2006-03/2006 ता. २५३

संसदीय विधायिका की संवेदन एवं प्रत्यक्ष लायब्रारी रेस्ट्रेशन :-  
प्रत्यक्ष लायब्रारी रेस्ट्रेशन विभाग ।

- ✓ १- अधिकारी विभाग विभाग एवं विभाग ।  
 २- विभाग विभाग विभाग ।  
 ३- विभाग विभाग विभाग ।  
 ४- विभाग विभाग विभाग ।  
 ५- विभाग विभाग विभाग ।  
 ६- विभाग विभाग ।  
 ७- विभाग विभाग ।  
 ८- विभाग ।

आज्ञा से  
A रिह  
(अत्तर शिंह)  
उप सचिव